शिक्षक समाज के वास्तविक निर्माता : डॉ. सरीन

इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 30 अप्रैल. शिक्षक समाज के वास्तविक निर्माता हैं और उनका समर्पण ही देश का भविष्य तय करता है. यह बात इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) भोपाल के प्राचार्य डॉ. रोहित सरीन ने गुरुवार को एक्सेम्प्लरी टीचर रिकग्निशन सेरेमनी 2026 के आयोजन में कही.

आयोजकों ने बताया कि समारोह का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के समर्पण और योगदान को सम्मानित करना है. जिसके तहत विभिन्न विषयों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को मंच पर सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. हरकिरत बैंस सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने शिक्षा की गुणवत्ता और नवाचार पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ शिक्षण पद्धतियों में सुधार बेहद जरूरी है, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर दिशा मिल सके. समारोह में शिक्षकों को लगातार नवाचार अपनाने और विद्यार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन देने के लिए प्रेरित किया गया.

शिक्षाविदों को किया सम्मानित

समारोह में विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया. जिसमें नम्रता शुक्ला, जयश्री इंदौरिया, इंदिरा चौहान, ऋतु अदलखा, गुरविंदर कौर चावला, पुष्पा दास, अनीता आर निनान, ललिता बस्तावर, रूपज्योति देव बर्मन, अर्पिता गुहा, जूली थॉमस, सोनाली मोरघरे, आंचल शर्मा, राखी जैन और दीपा गौर शामिल हैं.

बीएचईएल को आईटी एक्सीलेंस अवॉर्ड

बीएचईएल संवाददाता
भोपाल, 30 अप्रैल. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) भोपाल के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन ग्रुप (डीटीजी) को हैदराबाद में आयोजित इंडिया पीएसई समिट में एंटरप्राइज एप्लिकेशन श्रेणी में इंडियन एक्सप्रेस पीएसई आईटी एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया.

यह सम्मान आईटी क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा प्रदान किया गया, जिसमें डीटीजी के नवोन्मेषी तकनीकी उपयोग को सराहा गया. संस्थान स्तर पर कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने अपर महाप्रबंधक एस.एन. श्रीवास्तव को वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह पुरस्कार सौंपा.

इंडियन एक्सप्रेस पीएसई एक्सीलेंस अवॉर्ड उन सरकारी संगठनों को दिया जाता है, जो तकनीकी नवाचार के माध्यम से संचालन में सुधार, बेहतर जवाबदेही और वित्तीय लाभ जैसे ठोस परिणाम सुनिश्चित करते हैं. इस वर्ष देशभर से 300 से अधिक प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया गया, जिनमें बीएचईएल भोपाल का नामांकन विशिष्ट जूरी द्वारा सर्वश्रेष्ठ में चयनित हुआ.

भेल में क्यूआर आधारित ओएंडएम प्रणाली शुरू

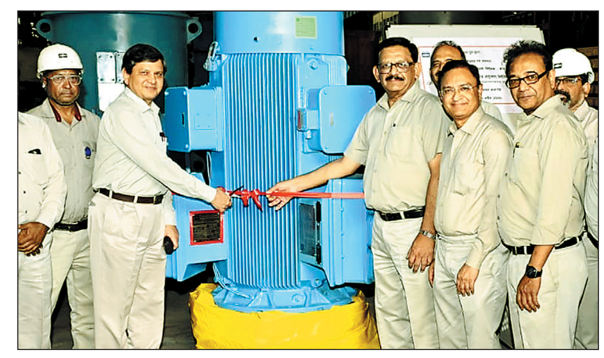

बीएचईएल संवाददाता
भोपाल, 30 अप्रैल. भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) भोपाल ने डिजिटल परिवर्तन और ग्राहक सेवा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए क्यूआर कोड आधारित ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस (ओएंडएम) मैनुअल प्लेट्स शुरू की हैं. यह प्रणाली कंपनी द्वारा देश और विदेश में आपूर्ति की जा रही आईएमएम और एलईएम मशीनों के लिए लागू की गई है.

इलेक्ट्रिकल मशीन विभाग की एसएसएम डिवीजन द्वारा विकसित इस पहल के तहत मशीनों पर लगाए गए क्यूआर कोड को स्कैन करते ही उपयोगकर्ता संबंधित मशीन का नवीनतम ओएंडएम मैनुअल तुरंत प्राप्त कर सकेंगे. इससे कागजी दस्तावेजों पर निर्भरता समाप्त होगी और मेंटेनेंस व समस्या समाधान में लगने वाला समय कम होगा. यह प्रणाली उपयोगकर्ता के अनुकूल, किफायती और विस्तार योग्य है, जिससे सेवा गुणवत्ता में सुधार, डाउनटाइम में कमी और ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि की उम्मीद है. साथ ही, यह 'ग्रीन इंडिया मिशन' के अनुरूप कागज रहित कार्यप्रणाली को बढ़ावा देती है.

इस डिजिटल प्रणाली का उद्घाटन गुरुवार 30 अप्रैल को कार्यकारी निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने किया. इस अवसर पर महाप्रबंधक विकास खरे सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे. इस पहल की परिकल्पना आर.के. माइकल ने की, जबकि इसका विकास विश्वजीत रंजन मिश्रा और प्रिया रंजन ने किया. यह पहल बीएचईएल की स्मार्ट मेंटेनेंस और आफ्टर-सेल्स सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है.

एक नजर में

नृसिंह भगवान का किया पूजन, आज भगवान बुद्ध जन्मोत्सव

भोपाल, 30 अप्रैल. दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर भोपाल में गुरुवार को भगवान विष्णु के अवतार भगवान नृसिंह का संध्या काल में विशेष पूजन किया गया. इस अवसर पर पुरुष सूक्त, नरसिंह स्तोत्र का पाठ, हवन एवं महाआरती सामूहिक रूप से संपन्न हुई. दादाजी धाम मंदिर के गर्भगृह परिक्रमा में विराजमान भगवान बुद्ध का जन्मोत्सव शुक्रवार को सुबह 10 बजे से पूजन, हवन एवं आरती के साथ मनाया जाएगा.

बच्चों ने खेल खेल में सीखी अभिव्यक्ति की कला

भोपाल, 30 अप्रैल (नवभारत प्रतिनिधि). रंगों के माध्यम से कल्पनाओं को आकार देना बच्चों की रचनात्मकता को नई दिशा देता है. यह अनुभव गुरुवार को स्वप्नयान कार्यशाला के तीसरे दिन देखने को मिला. शहर के विहान ड्रामा वर्क्स की चिल्ड्रेन थिएटर विंग स्वप्नयान में रंगों, खेलों और थिएटर से भरपूर गतिविधियां आयोजित की गईं. जिसमें विशेष सत्र में चित्रकार रुद्राक्ष भायरे ने बच्चों को रंगों की दुनिया से परिचित कराया. कार्यशाला में बच्चों ने रंगों के प्रयोग और चित्रों के माध्यम से अपनी कल्पनाओं को व्यक्त करना सीखा. थिएटर कलाकार श्वेता केतकर और हेमंत देवलेकर ने खेल और समूह गतिविधियों के जरिए बच्चों को अभिव्यक्ति और लय का अनुभव कराया. आयोजकों ने बताया कि कार्यशाला में 1 मई को कविता लेखन, 2 मई को क्राफ्ट और 3 मई को रिदम सर्कल के जरिए बच्चों को नई कला विधाओं से जोड़ा जाएगा. 4 मई से सभी प्रतिभागी एक नए नाटक की तैयारी में शामिल होंगे. जहां वे अभिनय संगीत मूवमेंट और डिजाइन के विभिन्न आयामों को सीखते हुए सामूहिक प्रस्तुति तैयार करेंगे.

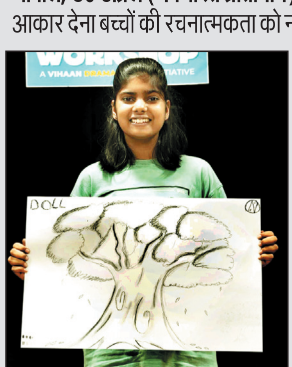

भारत भवन में मीडिया महाकुंभ 8 मई से

भोपाल, 30 अप्रैल. हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय और वीर भारत न्यास की संयुक्त पहल पर 'प्रणाम! उदंत मार्तण्ड' शीर्षक से तीन दिवसीय राष्ट्रीय विमर्श 8, 9 और 10 मई को भारत भवन में होगा. शुभारंभ 8 मई को प्रात: 10:30 मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे. विषय प्रवर्तन वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहूरकर तथा अध्यक्षता आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण (अयोध्या) करेंगे. इस मीडिया कुंभ में देश के 9 राज्यों से विभिन्न भारतीय भाषाओं के 60 से अधिक पत्रकार, संपादक, लेखक, शिक्षाविद् सहभागिता करेंगे. सत्रों में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, अधिवक्ता एवं लेखक जे.साई दीपक, वरिष्ठ पत्रकार जे. नंदकुमार आदि शामिल होंगे.

100 तीर्थयात्रियों का जत्था चारधाम रवाना

भोपाल (नवभारत न्यूज). राजधानी भोपाल से चारधाम के लिए करीब 100 तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना हुआ. उन्हें भोपाल स्टेशन पर तिलक लगाकर और फूलमाला पहनाकर विदाई दी. ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि मंडल का पहला जत्था है, जिसमें लगभग 100 भक्त शामिल हैं, यह जत्था एलटीटी एक्सप्रेस से भोपाल स्टेशन से हुआ. जत्थे में 35 महिलाएं, 10 बच्चे 55 पुरुष यात्री शामिल हैं.

200 युवा गायन, वादन और नृत्य की देंगे प्रस्तुति

रवींद्र भवन में भारत संस्कृति यात्रा के तहत स्पर्धा आज से

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 30 अप्रैल. हिंदुस्थान आर्ट एंड म्यूजिक सोसाइटी द्वारा भारत संस्कृति यात्रा के 58वें संस्करण का आयोजन 1 और 2 मई को रवींद्र भवन के अंजनी सभागृह में किया जा रहा है.

इसमें पद्मश्री पं. रोनू मजूमदार बांसुरी पर पद्मश्री पंडित तरुण भट्टाचार्य संतूर पर गुरु गजेन्द्र पांडा ओडिसी नृत्य पर पंडित कैवल्यकुमार गुरव गायन पर और पंडित प्रोसेनजीत पोद्दार तबला पर प्रस्तुति देंगे. यह जानकारी गुरुवार को संस्कृति भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रोसेन्नजीत पोद्दार ने साझा की.

उन्होंने बताया कार्यक्रम में मंत्री उदय प्रताप सिंह, विश्वास सारंग, चैतन्य काश्यप, धर्मेन्द्र सिंह लोधी, कृष्णा गौर और सांसद दर्शन सिंह चौधरी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे. कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 6 बजे से शुरू होगा. जिसमें गायन, वादन और नृत्य की प्रतियोगिताएं होंगी. विजेताओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी मिलेगा. प्रवेश नि:शुल्क रहेगा.

भोपाल के अजय साल्वे का जर्मनी में हुआ सम्मान

भोपाल, 30 अप्रैल. राजधानी भोपाल के इंश्योरेंस सलाहकार अजय साल्वे को एचडीओ एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा जर्मनी में आयोजित बिजनेस सेशन एंड रिकग्निशन कॉन्फ्रेंस में सम्मानित किया गया.

ग्रीष्मकालीन खेल शिविर आरोह आज से

खेल प्रतिनिधि
भोपाल. मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल शिविर आरोह शुक्रवार 1 मई से शुरू होगा. पंजीयन प्रक्रिया 15 अप्रैल से जारी है. आरोह 2026 के अंतर्गत भोपाल में लगभग 23 खेल मैदानों पर 15 विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जो अंकुर मैदान, टी.टी. नगर स्टेडियम सहित अन्य स्थानों पर होंगे. इसमें 8 से 25 वर्ष तक के बच्चे भाग ले सकते हैं और मात्र 11 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है. शिविर में बच्चों को खेल प्रशिक्षण के साथ-साथ फिटनेस, योग, संचार कौशल, जुम्बा, टीम वर्क, रक्षा जागरूकता और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी अवसर मिलेगा.

एनसीसी महानिदेशक ने किया निरीक्षण

भोपाल, 30 अप्रैल. एनसीसी महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स द्वारा मध्यप्रदेश के एनसीसी निदेशालय का निरीक्षण किया गया.

इस अवसर पर निदेशालय के कैडेटों ने महानिदेशक वत्स को गार्ड ऑफ ऑनर दिया. इसके बाद मेजर जनरल जेपी सिंह अपर महानिदेशक ने राज्य में संचालित एनसीसी एक्टिविटीज की जानकारी दी.

महानिदेशक वत्स ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल से भी मुलाकात की. इस मौके पर एनसीसी के डायरेक्टर जनरल ने गवर्नर को स्मृति चिन्ह उपहार स्वरूप भेंट किया.

शिल्प, संस्कृति और सुरों का खूबसूरत संगम

गौहर महल में हैंडलूम एक्सपो

भोपाल 30 अप्रैल. गौहर महल में सजा स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2026 इन दिनों रंगों, परंपरा और संस्कृति का जीवंत देखने को मिल रहा है. 27 अप्रैल से शुरू हुआ यह एक्सपो 10 मई तक चलेगा, जिसमें देशभर के 70 से अधिक शिल्पकार अपने हस्तनिर्मित उत्पादों के साथ शामिल हुए हैं. यहां ग्राहक उत्पाद खरीदने के साथ गीत-संगीत का आनंद भी ले रहे हैं.

मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम द्वारा आयोजित इस एक्सपो का उद्देश्य शिल्पियों को सीधे ग्राहकों से जोड़ना और उनकी कला को नई पहचान दिलाना है. यहां चंदेरी, महेश्वरी साड़ियों के साथ बनारसी सिल्क, भागलपुरी सिल्क, लोगों को अपनी ओर खींच रही है.

हरियाणा से 100 प्रतिशत कॉटन से बनी बेडशीट, कम्फर्टर और दरियां लेकर आए व्यापारी मुमताज का कहना है कि उनके उत्पाद किफायती दाम में उपलब्ध हैं. जिससे ग्राहकों को बाजार से अलग विकल्प मिल रहा है. बनारस के मोहम्मद अर्शाद हाथ से बनी बनारसी साड़ियां प्रस्तुत कर रहे हैं. सिल्क, जरी और महीन बुनाई से तैयार इन साड़ियों को बनाने में 40 से 45 दिन का समय लगता है. उनके अनुसार, बनारसी साड़ी केवल परिधान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत की पहचान है.

'एक गधे की आत्मकथा' ने दर्शकों को खूब हंसाया

चेतना ऑडिटोरियम, नीलबड़ में नाटक का मंचन

भोपाल, 30 अप्रैल. नाटक 'एक गधे की आत्मकथा' का मंचन चेतना ऑडिटोरियम, नीलबड़ में किया गया. प्रख्यात साहित्यकार कृष्ण चंदर की कालजयी रचना पर आधारित इस नाटक का नाट्य रूपांतरण अख्तर अली ने किया है, निर्देशन आशीष श्रीवास्तव द्वारा किया गया. लगभग 1 घंटा 10 मिनट की इस प्रस्तुति ने दर्शकों को हँसी, व्यंग्य और संवेदनाओं से रूबरू कराया.

यह नाटक न केवल मनोरंजन करता है, बल्कि समाज की जटिल सच्चाइयों पर तीखा प्रहार करते हुए दर्शकों को सोचने पर भी मजबूर करता है. 'एक गधे की आत्मकथा' व्यंग्य और करुणा से बुनी हुई ऐसी कथा है, जो समाज का आईना बनकर हमारे सामने खड़ी होती है. यह सामाजिक विसंगतियों, आर्थिक असमानताओं, सत्ता की विडंबनाओं पर व्यंग्य करता है.

चिकित्सा एडवांस तकनीक और संवेदनशील इलाज की मिसाल

सेवा सदन ने मासूम की आंखों में लौटाई रोशनी

भोपाल, 30 अप्रैल. समय पर सही उपचार, एडवांस तकनीक और संवेदनशील चिकित्सा सेवा का एक उदाहरण सामने आया है, जहां भोपाल के पास छोटे से कस्बे कुरावर की पांच माह की मासूम बच्ची महक सेन की आंखों की रोशनी वापस लौट आई है. पूजा और अंकित सेन की पुत्री महक जब केवल 2 महीने की थी, तब उसके माता-पिता ने उसकी आंखों में सफेदी (धुंधलापन) देखा.

परिवार ने भोपाल के तीन निजी अस्पतालों में परामर्श लिया, लेकिन वहां का अनुभव संतोषजनक नहीं था. दम्पति को बालिका की दोनों आंखों के ऑपरेशन के लिए 60,000 रुपये का खर्च बताया गया. एक डॉक्टर ने तो इलाज की आवश्यकता से भी इंकार कर दिया. इसी बीच किसी ने उन्हें सेवा सदन आई हॉस्पिटल के बारे में बताया, वे सेवा सदन पहुंचे.

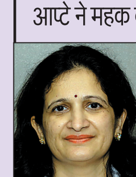

यहां सीनियर पीडियाट्रिक ऑप्थल्मोलॉजिस्ट डॉ. रश्मि आप्टे ने महक की जांच की और पाया कि उसकी दोनों आंखों में गंभीर मोतियाबिंद है. डॉक्टरों की टीम ने एडवांस तकनीक के माध्यम से एक सप्ताह के भीतर दोनों आंखों की सर्जरी की और महक की आंखों की रोशनी वापस आ गई. महक के पिता अंकित सेन ने भावुक होकर कहा, 'हमारी बेटी की आंखों की रोशनी वापस आ गई है, यह हमारे लिए सबसे बड़ी खुशी है.

शिक्षा में मूल्यांकन सुधारों को गति देने पर हुई चर्चा

माशिम में चार दिवसीय कार्यशाला का समापन

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 30 अप्रैल. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप मूल्यांकन सुधारों को गति देने के उद्देश्य से माध्यमिक शिक्षा मंडल और परख नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय कार्यशाला का समापन गुरुवार को हुआ.

कार्यशाला में प्रो. इंद्राणी भादुड़ी ने कहा कि छात्रों को रटने से हटाकर समझ और विश्लेषण की ओर ले जाना ही परख टैक्सोनॉमी का लक्ष्य है. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ-साथ क्षेत्रीय आवश्यकताओं का समावेश सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक राज्य को अपने स्थानीय संदर्भ के अनुसार मूल्यांकन प्रणाली को अनुकूलित करना चाहिए. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षमता आधारित आकलन को बढ़ावा देना और आईटीएमएस पोर्टल के लिए उच्च गुणवत्ता वाला प्रश्न बैंक तैयार करना था. कार्यशाला में दिल्ली से आए मास्टर ट्रेनर्स ने शिक्षकों और विषय विशेषज्ञों को प्रशिक्षण दिया. मंडल के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए त्रुटिरहित प्रश्न पत्र निर्माण जरूरी है. साथ ही उन्होंने प्रशिक्षित पेपर, सेंटर और विषय विशेषज्ञों की भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण बताया.